पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी

दिनांकः 24.09.2021

ग्रामीण आजीविका में अकाष्ठ वन उत्पादों का योगदान
(Contribution of NTFP in Rural Livelihood)

परिचय

एनटीएफ़पी (NTFP) का उपयोग ग्रामीण घरेलू आवश्यकताओं हेतु आजीविका विकल्प के रूप में तथा टिकाऊ वन प्रबंधन के एक प्रमुख घटक के रूप में होता है।

विगत वर्षों में एनटीएफ़पी व्यापार हेतु प्रचुर मात्रा में एकत्र किए जाते थे जिससे अर्थव्यवस्था में उनका योगदान नगण्य था, किन्तु अब इन उत्पादों ने अत्यधिक महत्व प्राप्त कर लिया है। इनका बढ़ता व्यवसायीकरण एक विश्व–व्यापी तथ्य बनता जा रहा है। बढ़ती मांग के कारण इनकी एकत्र की जाने वाली मात्रा, व्यापार एवं मूल्य में भी वृद्धि हुई है।

एनटीएफ़पी का विपणन एक समस्या है, अतएव इस संबंध में एक निश्चित नीति बनाए जाने की आवश्यकता है। इन सामग्रियों को एकत्र करने वाले व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजन करने और बेहतर मूल्य सुनिश्चित कराने तथा उनका आर्थिक व सामाजिक स्तर सुधारने हेतु एनटीएफ़पी के उपयुक्त प्रसंस्करण तकनीक तथा प्रौद्योगिकी का विकास करने की आवश्यकता है।

एनटीएफ़पी का संग्रहण, उपयोग व विपणन गरीबी उन्मूलन, आजीविका सुधार तथा स्थानीय विकास के लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

विषय

- *एन.टी.एफ.पी प्रजातियों के वाणिज्यिक स्थापन हेतु सिल्विकल्चरल हस्तक्षेप*
- *एन.टी.एफ.पी. का घरेलूकरण और संरक्षण – प्रमुख चुनौतियां और बाधाएं*
- *एन.टी.एफ.पी. संसाधनों का प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और अपशिष्ट उपयोग में वर्तमान परिदृश्य*
- *एन.टी.एफ.पी. उत्पादों का प्रबंधन तथा विपणन*
- *एन.टी.एफ.पी. के व्यवसायिक विकास हेतु नीतिगत विकल्प, अभिनव दृष्टिकोण और उभरते अवसर*

सार (Abstract) लगभग 250–300 शब्दों में anitatomar@icfre.org अथवा anubhasri_csfer@icfre.org पर ई–मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। संगोष्ठी ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनो माध्यमों से संचालित की जायेगी। चयनित प्रस्तुतकर्ता ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने हेतु वेब लिंक– https://meet.google.com/qcw-bcdj-bde का प्रयोग कर सकते हैं।

समन्वयक
डॉ0 अनीता तोमर
वैज्ञानिक–एफ

आयोजन सचिव
डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव
वैज्ञानिक–सी

सार प्रस्तुतीकरण की अंतिम तिथि: 15 सितम्बर 2021

सार स्वीकृति की सूचना तिथि: 20 सितम्बर 2021